लोक सभा अध्यक्ष पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में शामिल हुए

श्री सुधासागर जी महाराज ने अपनी शिक्षाओं और सेवाओं के माध्यम से समाज को एक नई दिशा दी है : लोक सभा अध्यक्ष

आध्यात्मिक ज्ञान के माध्यम से कल्याण ही श्री सुधासागर जी महाराज का मंत्र है : श्री बिरला

शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्रों में श्री सुधासागर जी महाराज ने अपने जनकल्याणकारी प्रयासों से समाज के अंतिम व्यक्ति को लाभ पहुंचाया है : लोक सभा अध्यक्ष

प्रकृति संरक्षण और पुरातात्विक महत्व के स्थानों के पुनरुद्धार के लिए उनके द्वारा किए जा रहे कार्य सराहनीय हैं: लोक सभा अध्यक्ष

अहिंसा, शांति और मानवता के लिए प्रेम ही एक समृद्ध समाज का आधार है : श्री ओम बिरला

शांति के बिना प्रगति संभव नहीं है। शांति होने पर ही देश के संसाधनों का उपयोग विकास के लिए होता है : लोक सभा अध्यक्ष

14 फरवरी 2021 नई दिल्ली: लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला आज बिजोलिया, भीलवाड़ा, राजस्थान में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में शामिल हुए। उन्होंने संत शिरोमणि 108 आचार्य पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज से भेंट की और उनका आशीर्वाद लिया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि हमारे व्यक्तित्व के विकास में समाज की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। श्री सुधासागर जी महाराज ने अपने शिक्षाओं और सेवाओं के माध्यम से समाज को एक नई दिशा दी है ताकि हमारी वर्तमान और भावी पीढ़ियों के व्यक्तित्व का विकास सकारात्मकता, आध्यात्मिकता और ज्ञान के परिवेश में हो। संत शिरोमणि द्वारा दिए गए संस्कार सब लोगों का और वस्तुतः पूरे समाज का मार्गदर्शन करते रहेंगे। गुरु के प्रति पूर्ण समर्पण से हमारे भीतर एक नई ऊर्जा का संचार होता है और हमें समाज के प्रति स्वयं को पुनः समर्पित करने की प्रेरणा मिलती है। लोक सभा अध्यक्ष ने यह भी कहा कि आध्यात्मिक ज्ञान के माध्यम से कल्याण ही श्री सुधासागर जी महाराज का मंत्र है।

श्री बिरला ने श्री सुधासागर जी महाराज द्वारा किए गए जनकल्याणकारी कार्यकलापों की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य के साथ ही अन्य क्षेत्रों में उनकी कल्याणकारी पहलों से समाज का प्रत्येक वर्ग लाभान्वित हुआ है और इससे समाज के अंतिम व्यक्ति को लाभ पहुंचा है। माननीय अध्यक्ष ने प्रकृति संरक्षण और पुरातात्विक महत्व के स्थानों के पुनरुद्धार के लिए श्री सुधासागर जी महाराज द्वारा किए जा रहे प्रयासों की भी सराहना की।

भगवान महावीर की शिक्षाओं का स्मरण करते हुए श्री बिरला ने कहा कि अहिंसा, शांति और मानवता के प्रति प्रेम ही समृद्ध समाज का आधार है। माननीय अध्यक्ष ने यह भी कहा कि शांति के बिना प्रगति संभव नहीं है। शांति होने पर ही देश के संसाधनों का उपयोग विकास के लिए किया जा सकता है। लोकतंत्र को सुदृढ़ करना, अधिकाधिक लोगों का कल्याण करना और शांति सुनिश्चित करना ही प्रत्येक देश का लक्ष्य होना चाहिए।